सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

एक ईमानदार आदमी हमेशा एक बच्चा होता है। –सुकरात

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 14 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 14 फरवरी, 2025

आरसीबी पर होगा रजत... 7 | यूपी विस-27 पर सपा की... 3 | सामाजिक समरसता खत्म कर... 2

खुद को बचाने के लिए भगवंत मान की आखिरी कोशिश

पंजाब में आप बदल सकती है सीएम का चेहरा

» सिद्धू को आप पार्टी ज्वाइन कराके मुख्यमंत्री बनाये जाने पर हो रही है चर्चा

» मान सरकार के तीन साल हो गये लेकिन अभी तक नहीं पूरे हुये हैं कई वायदे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। खतरों से घिरे पजांब सरकार के मुख्यमंत्री खुद को बचाने की हरसंभव कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। पजांब में आप सरकार को खतरा नहीं है लेकिन खतरे में सीएम भगवंत मान दिखाई दे रहे हैं। आप पार्टी के भीतर से आ रही खबरों पर यकीन करें तो पार्टी संयोजक केजरीवाल मान के काम–काज से संतुष्ट नहीं है।

पंजाब में दो साल बाद चुनाव है और मान सरकार के कई वायदे अभी भी पेंडिंग हैं ऐसे में मान को बदल कर कोई दूसरा मुख्यमंत्री चेहरा आप सरकार पंजाब में पेश कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक नवजोत सिंह सिद्धू के नाम पर भी चर्चा हो रही है कि सिद्धू को आप ज्वाइन करा के सीएम बना दिया जाए। शायद इसीलिए केजरीवाल के सामने सभी विधायकों और सासंदों की परेड कराई गयी थी। लेकिन यह फार्मूला अभी सार्वजनिक मंच पर डिस्कस नहीं किया गया है।

सीएम मान ले रहें ताबड़तोड़ फैसले

पंजाब में भ्रष्टाचार की शिकायतें सबसे ज्यादा आ रही है। केजरीवाल ने राजनीति शुरू ही भ्रष्टाचार पर वार करके की थी। ऐसे में सबसे पहले इन आरोपो से मुक्ति पाना मान सरकार की पहली कोशिश होगी। तभी तो पंजाब सरकार एक्शन मोड में है। सभी जिलों के डीएम, एसडीएम, एसएसपी और एसएचओ को सख्त आदेश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में भ्रष्टाचार पर कड़ी नजर रखें और इसे रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाएं। भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए यह राज्य सरकार की ओर से उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विधायक करेंगे मूल्यांकन

पंजाब सरकार ने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से यह चेतावनी दी है कि अगर वे अपने क्षेत्र में भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने में विफल रहते हैं, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, राज्य सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का मूल्यांकन जनता और स्थानीय विधायकों से लिया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि क्षेत्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार को खत्म करने के प्रयास सही दिशा में हो रहे है और अधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं।

पंजाब में हुई हैं बड़ी कार्रवाइयां

पंजाब सरकार की ओर से उठाया गया यह कदम भ्रष्टाचार पर काबू पाने और सरकार के कामकाजी माहौल को पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस कदम का उद्देश्य भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना और पंजाब को एक स्वच्छ और पारदर्शी प्रशासन देना है। इससे पहले भी पंजाब सरकार ने भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। भ्रष्टाचार से निपटने के लिए पंजाब सरकार ने वाट्सएप नंबर 9501200200 जारी किया था, ताकि भ्रष्टाचारियों के खिलाफ लोग शिकायत कर सकें। सरकारी आंकड़े दावा करते हैं कि इसके बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। इस नंबर के जारी होने के बाद सरकार को भ्रष्टाचार के कई मामले मिले और जांच के बाद गिरफ्तारियां भी हुईं। जानकारी के अनुसार, विजिलेंस ने भ्रष्टाचार में लिप्त मंत्रियों से लेकर आईएएस अधिकारियों तक पर शिकंजा कसा है।

रणवीर अलाहाबादिया को सुप्रीम कोर्ट से झटका

» शीर्ष कोर्ट ने एफआईआर रद कराने की मांग की खारिज

» इंडियाज गॉट लेटेंट शो को लेकर रणवीर पर कई राज्यों में दर्ज है एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इन्फ्लुएंसर रणवीर अलाहाबादिया को अब सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। यूट्यूब पर एक कार्यक्रम में गलत टिप्पणी करने को लेकर देश के अलग–अलग राज्यों में दर्ज एफआईआर के खिलाफ रणवीर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। एफआईआर के खिलाफ शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए रणवीर के वकील ने तत्काल सुनवाई की मांग की थी, हालांकि कोर्ट ने ये मांग खारिज कर दी।

दो-तीन दिन में होगी सुनवाई

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने इन्फ्लुएंसर की ओर से पेश हुए वकील अभिनव चंद्रचूड़ की दलीलों पर गौर किया और कहा कि याचिका दो-तीन दिनों में सूचीबद्ध की जाएगी। अभिनव चंद्रचूड़ ने इस आधार पर तत्काल सुनवाई की मांग की कि अल्लाहबादिया को आज असम पुलिस ने तलब किया है।

यूट्यूब इंडियाज गॉट लेटेंट शो में माता-पिता और सेक्स पर पॉडकास्टर में अल्लाहबादिया ने गलत टिप्पणी कर विवाद खड़ा कर दिया।

क्या अब मणिपुर जाने और लोगों से माफी मांगने का साहस करेंगे प्रधानमंत्री : खरगे

» राष्ट्रपति शासन पर कांग्रेस अध्यक्ष ने दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया गया क्योंकि कोई भी विधायक भारतीय जनता पार्टी की अक्षमता का बोझ स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब मणिपुर का दौरा करने और वहां के लोगों से माफी मांगने का साहस दिखा पाएंगे?

सीएम बीरेन सिंह के इस्तीफा देने के चार दिन बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। विधानसभा को भी निलंबित कर दिया गया है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, नरेन्द्र मोदी जी, आपकी पार्टी ही 11 साल से केंद्र में शासन कर रही है। यह आपकी पार्टी है जो आठ साल तक मणिपुर पर भी शासन कर रही थी। यह भाजपा ही है जो राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार थी। यह आपकी सरकार है जिसकी राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा पर गश्ती की जिम्मेदारी है। आपके द्वारा राष्ट्रपति शासन लगाना, अपनी ही पार्टी की सरकार को निलंबित करना इस बात की सीधी स्वीकारोक्ति है कि आपने मणिपुर के लोगों को निराश किया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति शासन इसलिए नहीं लगाया क्योंकि वह ऐसा चाहते थे, बल्कि इसलिए लगाया क्योंकि राज्य में संवैधानिक संकट है तथा आपका कोई भी विधायक आपकी अक्षमता का बोझ स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

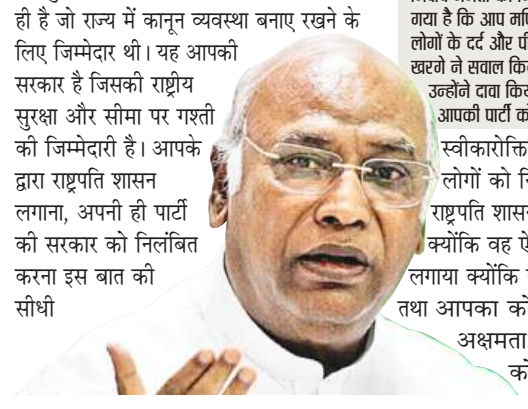

'डबल इंजन' ने मणिपुर की निर्दोष जनता की जिंदगियों को रौंद दिया

उन्होंने कहा, आपके 'डबल इंजन' ने मणिपुर की निर्दोष जनता की जिंदगियों को रौंद दिया।अब समय आ गया है कि आप मणिपुर में कदम रखें और पीड़ित लोगों के दर्द और पीड़ा को सुनें और उनसे माफी मांगें। खरगे ने सवाल किया, ''क्या आपमें यह साहस है?'' उन्होंने दावा किया, मणिपुर की जनता आपको और आपकी पार्टी को माफ नहीं करेगी।

सामाजिक समरसता खत्म कर रही भाजपा : अजय राय

कांग्रेस अध्यक्ष बोले- बहराइच और संभल के बाद कुशीनगर में मुसलमानों के खिलाफ साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि देश व प्रदेश में सत्तासीन भाजपा सामाजिक समरसता खत्म कर रही है। मुसलमानों का उत्पीड़न हो रहा है। बहराइच, संभल के बाद कुशीनगर में मुसलमानों के खिलाफ साजिश रची गई। भाजपा नेताओं के इशारे पर अधिकारी कानून हाथ में ले रहे हैं और जनता का उत्पीड़न कर रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाया कि प्रदेश की सामाजिक समरसता, भाईचारा और कानून व्यवस्था को प्रदेश सरकार ध्वस्त कर रही है। अपनी नाकामी छुपाने के लिए मुसलमानों के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है और प्रशासनिक ढांचे का दुरुपयोग कर उनके धार्मिक स्थानों को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। पहले बहराइच और फिर संभव में घटनाएं हुईं और अब कुशीनगर के हाटा में सत्ता का दुरुपयोग करते हुए मस्जिद ढहा दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि नौ फरवरी को कुशीनगर के हाटा नगर पंचायत में मदनी मस्जिद को बिना नोटिस के गिरा दिया गया। जबकि आठ फरवरी को हाईकोर्ट के स्टे के मियाद समाप्त हो हुआ था। नौ को रविवार होने से अवकाश था। उन्होंने कहा कि जिस मस्जिद को गिराया गया, वहां एक मदरसा भी चलता था और बच्चे भी पढ़ते थे। इस कार्यवाही से पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। इस दौरान पूर्व मंत्री डॉ सीपी राय एवं नसीमुद्दीन सिद्दीकी, मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, सुधांशु बाजपेई उपस्थित रहे।

सपा के नगर अध्यक्ष और ईओ की भूमिका पर बरसे

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि वह खुद मौके पर गए और लोगों की पीड़ा जानी। बातचीत के दौरान पता चला कि इस दुर्भाग्यपूर्ण कार्यवाही में समाजवादी पार्टी के नेता एवं हटा नगर पालिका के अध्यक्ष रामानंद सिंह एवं वहां की ईओ मीनू सिंह की प्रमुख भूमिका है। पीड़ित पक्ष ने बताया कि प्रशासन इस मामले में कई झूठ बोल रहा है एवं तथ्यों को छुपाने का प्रयास कर रहा है। मस्जिद कमेटी के लोगों ने बताया कि जब-जब प्रशासन ने नोटिस दिया तब-तब उसका लिखित जवाब सभी कागजात संलग्न कर दिया गया। मगर उसके बाद भी सिर्फ पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर योगी सरकार ने मस्जिद पर बुलडोजर चलवा दिया।

प्रशासन की नाकामी से लग रहा महाकुंभ में जाम : अपर्णा यादव

अमेठी सिटी। जिले के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचीं राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने महाकुंभ से लौट कर अयोध्या जा रहे लोगों के जाम में फंसने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह प्रशासन की नाकामी है। इसके लिए महाकुंभ को

दोष नहीं दिया जा सकता है। महाकुंभ में हादसे में मारे गए लोगों के अखिलेश यादव द्वारा मांगे जा रहे आंकड़े के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री ने महाकुंभ को लेकर बहुत अच्छी व्यवस्था की है। देश ही नहीं विदेशों से भी बड़े-बड़े उद्योगपति और नामचीन हस्तियां स्नान करने आ रही हैं। विपक्ष के लोग खुद महाकुंभ में जाकर स्नान कर रहे हैं। वहीं उन्होंने अभिनेता चिरंजीवी के विवादित बयान पर कहा कि इतने बड़े अभिनेता को ऐसा बयान नहीं देना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री खुद सोच रहे हैं कि देश की बेटी कैसे आगे बढ़े। चिरंजीवी कहते हैं कि जैसे मैं महिला हॉस्टल का वॉर्डेन हूं। इस तरह की बात से उन्हें नही फर्क पड़ेगा, लेकिन इसका असर नीचे की सोसाइटी पर पड़ेगा और वह सोचेंगे कि बेटा पैदा हो। इस तरह की बातों का उन्हें अपने बेटे से डिस्कस करना चाहिए था ,उन्हें बाहर नही बोलना चाहिए था।

राज्य का दर्जा मिलने पर भी नहीं हो सकता कश्मीर में आतंकवाद का खात्मा : फारुक अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि भले ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाए, फिर भी आतंकवाद खत्म नहीं होगा और इसे लोगों के समर्थन की जरूरत

है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि राज्य का मुद्दा कई वर्षों से है। उन्होंने कहा कि भले ही राज्य का दर्जा बहाल हो जाए और हमें सब कुछ मिल जाए, लेकिन क्या लोग सोचते हैं कि इससे यहां आतंकवाद खत्म हो जाएगा। जो लोग बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं कि यहां आतंकवाद खत्म हो गया है, उनसे पूछें कि क्या यह अभी भी है या नहीं।

अब्दुल्ला ने कहा कि इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में दो जवान शहीद हो गये। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि वह कहां से आया? जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए हमें लोगों की मदद की जरूरत है। अब समय आ गया है कि हमें शांति स्थापित करनी चाहिए। यहां शांति ही कुछ कर सकती है। हमारे बच्चे बेरोजगार हैं। जब शांति नहीं है तो इन मुद्दों का समाधान कैसे किया जा सकता है? उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच चुनाव पूर्व गठबंधन से दिल्ली विधानसभा चुनाव में अलग परिणाम आ सकते थे। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक की भावना अभी भी वही है। लेकिन दिल्ली में कुछ गलतियां हुई हैं। अगर आप और कांग्रेस के बीच सही तालमेल होता तो नतीजे कुछ और हो सकते थे, हमें मिलना होगा और इन मुद्दों पर चर्चा करने की जरूरत है।

सरकार के पास यूएस में रह रहे अवैध भारतीय प्रवासियों का डाटा नहीं : कीर्तिवर्धन सिंह

» केंद्र ने संसद को दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि उसके पास अमेरिका में बिना वैध दस्तावेजों के रहने वाले भारतीय प्रवासियों की संख्या से जुड़ा डाटा नहीं है। सरकार ने कहा कि ये प्रवासी या तो वीजा की वैधता अवधि से अधिक समय तक वहां रुके हैं या फिर इन्होंने बिना वैध दस्तावेजों के अमेरिका में प्रवेश किया।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि भारत सरकार निर्वासन के सभी मामलों में अमेरिकी सरकार के साथ समन्वय बना काम कर रही है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सरकार से पूछा कि क्या उसके पास वर्तमान में अमेरिका में बिना दस्तावेज वाले भारतीय प्रवासियों की संख्या का कोई डाटा है। क्या डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिकी आव्रजन नीतियों में हाल के बदलावों के कारण भारतीय नागरिकों के संभावित निर्वासन से निपटने की सरकार के पास कोई योजना है। सरकार की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। सरकार से यह भी पूछा गया था कि क्या वह विदेश में भारतीयों को, खासकर उन अवैध प्रवासियों को जो निर्वासन या कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, कानूनी या वित्तीय मदद प्रदान करती है। इस पर मंत्री ने कहा, अमेरिकी पक्ष की ओर से निर्वासन के लिए पहचाने गए लोगों की सूची की भारत सरकार की विभिन्न एजेसियां बारीकी से जांच करती हैं। केवल उन व्यक्तियों को निर्वासित किया जाता है, जिनके भारतीय नागरिक होने की पुष्टि होती है। उन्होने यह भी कहा कि विदेश में रह रहे भारतीयों को मदद दी जाती है और सरकार कानूनी प्रवास और आवाजाही से जुड़े सभी मुद्दों पर सक्रिय रूप से काम करती है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मप्र के लोगों को मिले 75% रोजगार : पटवारी

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- हम भी जीआईएस का करते हैं स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शहडोल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मोहन सरकार द्वारा भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर मीट का मध्य प्रदेश कांग्रेस की ओर से समर्थन करते हुए इसका स्वागत किया है। पटवारी ने कहा कि अभी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भोपाल आ रहे हैं। 24 तारीख के दिन इन्वेस्टर मीट है। भोपाल में राष्ट्रपति के भी आने का की संभावना है।

उद्योगपति जितने भी यहां आवेदन किए हैं या सरकार ने उनसे आग्रह किया कि आप आओ, हम उन सभी का मध्य प्रदेश में स्वागत करते हैं। मैं भी उनका कांग्रेस की ओर से स्वागत करता हूं। कांग्रेस पार्टी भी सारे उद्योगपतियों को चिट्ठी लिख रही है और उनसे यह कह रही है कि आप मध्य प्रदेश में इन्वेस्ट लगाओ। यहां संभावना असीम है। यहां के धरती धन धान से भरी पड़ी है, पर केवल अखबार की सुर्खियां बनने के लिए मत आओ। सरकार की नीतियों में सुधार हो और आपके लिए मध्य प्रदेश का वातावरण बने। इसमें हम भी सहयोग करना चाहते हैं। जीतू पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योगपतियों को भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण मिले। उन्होंने कहा कि मैं सीएम मोहन यादव से आग्रह करना चाहता हूं, क्योंकि वे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं, हमारे भी मुख्यमंत्री हैं। प्रदेश का भला सबसे प्रथम है। जीतू पटवारी ने कहा कि स्थानीय स्तर पर जो उद्योग लगेंगे उसमें 75प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोजगार मिलना चाहिए। लेकिन यहां तो 75प्रतिशत बाहरी लोगों को नौकरीयां मिलती है, जबकि सरकार की नीति है कि 75प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोजगार देना है। मैं स्थानीय प्रशासन और कंपनी के मैनेजमेंट को आगाह करना चाहता हूं कि यदि आगामी 2 महीने में व्यवस्था नहीं सुधरी तो कांग्रेस इसके खिलाफ आंदोलन करेगी। जीतू पटवारी ने कहा कि 2 महीने बाद मैं खुद यहां आऊंगा और स्थानीय कंपनियों में जाकर चेक करूंगा कि कितने स्थानीय लोगों को नौकरी दी गई है। मध्य प्रदेश के भीतर सौरभ शर्मा भ्रष्टाचार की एक छोटी मछली है। उसके पास से 52 किलो सोना 11 करोड रुपए नगद और 300 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति मिली है। इसके बाद भी लोकायुक्त और ईडी जैसी एजेंसियां सिर्फ सौरभ के इर्दगिर्द जांच कर रही है। जबकि उस डायरी का कोई जिक्र नहीं किया जा रहा है जिसमें करोड़ों रुपए का लेनदेन बड़े अधिकारी और नेता मंत्रियों के बीच किए गए हैं। कांग्रेस भवन के बाद शाम 5 बजे के लगभग जीतू पटवारी मानस भवन पहुंचे वहां उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठक ली।

हिमाचल सरकार को गिराना चाहते हैं डीजीपी : रायजादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ऊना। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक सतपाल सिंह रायजादा ने कहा कि डीजीपी की ओर से पुलिस कर्मचारियों के घरों में करवाई गई दबिश से कुछ भी नहीं निकला है। केंद्रीय जांच एजेंसी के इशारे पर छापे मारे गए।

डीजीपी केंद्रीय जांच एजेंसी के इशारे पर हिमाचल सरकार को गिराना चाहते हैं। अगर उनके पास कर्मचारियों के खिलाफ इतने ही मजबूत इनपुट थे तो कार्रवाई में उनके हाथ खाली क्यों रह गए। बेहतर होता अगर डीजीपी अन्य जांच एजेंसियों के माध्यम से छापेमारी करने से पहले कोई पुख्ता जानकारी जुटाते। डीजीपी सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीजीपी यह बात स्पष्ट करें कि आखिरकार केंद्रीय जांच एजेंसी के इशारे पर जो कार्रवाई की है, उसके पीछे काम करने का क्या आधार रहा है। क्या केंद्रीय जांच एजेंसियों के पास इतने गलत इनपुट थे, जिस पर कार्रवाई करने के बाद कुछ भी हाथ में नहीं लगा है।

यूपी विस-27 पर सपा की नजर!

उपचुनाव के झटके से नहीं डिगेंगे अखिलेश

» पीडीए को फिर मजबूती देने की तैयारी में सपा प्रमुख

» सहयोगी दलों के मन को भी टटोलेंगे यूपी के पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सियासत का साल-दर-साल बदलना एक सतत प्रक्रिया है। कभी पूरे देश में एकछत्र राज्य करने वाली कांग्रेस आज सिमट गई है। हालांकि 2024 में राहुल गांधी व उनकी टीम के कठिन प्रयासों से कांग्रेस ने 99 सीटों को जीता और भाजपा को बहुमत से दूर करके उसको वैशाखियों के सहारे पहुंचा दिया। देश की सबसे पुरानी पार्टी ने अपने खोए हुए जनाधार को भी वापस ले लिया वो अलग बात है वह सरकार नहीं बना सकी। इन सबके बीच क्षेत्रीय दलों ने भी उसकी कलाई पकड़कर अपने-अपने राज्यों में अपनी-अपनी पार्टियों को मजबूत कर दिया।

हालांकि महाराष्ट्र, दिल्ली की हार के बाद से कांग्रेस क्षेत्रीय छत्रपों के निशाने पर आ गई । सबसे ज्यादा उलटफेर यूपी में देखने को मिला। यहां पहले आठ सीटों पर हुए उपचुनाव में जहां भाजपा को छह व सपा को दो ही सीट मिली जबकि लोक सभा चुनाव में उसे भाजपा को पटकनी देकर 37 सीटें कब्जाई यही नहीं उसकी मदद मदद से कांग्रेस ने भी 6 सीटें अपनी झोली में डाल लीं। अभी उपचुनाव का दर्द सपा का भरा भी नहीं की मिल्कीपुर विस उपचुनाव में उसे भाजपा ने फिर झटका दे दिया । हालांकि इस सीट को जीतने के बाद सपा ने भाजपा पर धांधली का आरोप भी लगाया। इन सबके बीच सियासी पंडित ये मान के चल रहे हैं कि सपा को उपचुनावों में झटका जरूर लगा है अगर बेहतरीन रणनीति व पीडीए को साध कर वह 2027 विधान सभा चुनाव में यूपी की सत्ता में वापसी कर सकती है। इस दिशा सपा व उसके प्रमुख अखिलेश यादव लग गए हैं। वही राज्य में अपने कार्यकर्ताओं से वनटूवन मिटिंग कर रहे है। हालांकि सपा को सहयोगियों का साथ भी बनाए रखना चाहिए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का एक बयान समाजवादी पार्टी ने एक्स पर पोस्ट किया है। इस बयान में अखिलेश यादव कह रहे हैं कि यूपी में सपा ने कांग्रेस के 6 सांसद जितवाए हैं। यही नहीं खुद को भी 3 से 37 सांसद जीतने की बात कह रहे हैं। उन्होंने बीजेपी पर जमकर हमला बोला है।

मीडिया सेल कांग्रेस को 7 सांसद जितवा रही थी

वहीं, अखिलेश यादव का बयान पोस्ट कर सपा मीडिया सेल ने पोस्ट कर लिखा कि सपा 3 सांसद से 37 सांसद पर खुद भी पहुंची और भाजपा को हराया एवं कांग्रेस को भी 7 सांसद सपा ने ही जितवाए हैं, इसीलिए भाजपा ये न सोचे कि वो अजेय है या भाजपा समर्थक अधिकारी ये न सोचें कि सत्ता परिवर्तन नहीं होगा। पोस्ट में लिखा गया कि सत्ता परिवर्तन अवश्य होगा और सपा की सरकार अवश्य बनेगी। जनता के साथ गलत करने वालों को सजा भी मिलेगी। साथ ही सपा मीडिया सेल ने पोस्ट में नहीं चाहिए भाजपा का हैशटैग भी टैग किया है। उधर, अखिलेश यादव के बयान के साथ ही सपा मीडिया सेल का पोस्ट अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

संघ ने दिया भाजपा का साथ

मिल्कीपुर में अबकी बार संघ ने भी काम संभाला और मजबूत किलेबंदी के साथ हर बूथ पर संघ के पदाधिकारी मोर्चा पर डटे रहे। इसका असर मतदान के दिन दिखा भी। संघ ने मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचाने में पर्याप्त श्रम किया। मिल्कीपुर जीत से भाजपा का विश्वास बढ़ा है, योगी जी की प्रतिष्ठा बड़ी है और उनके नारे की लोकप्रियता भी ब? रही है। महाकुंभ- 2025 के समापन के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री येगी आदित्यनाथ जी का एक नया अवतार देखने को मिल सकता है। हिंदुत्व की राजनीति में काशी, मथुरा के साथ संभल का अध्याय भी जुड़ चुका है।

2024 लोकसभा में सपा-कांग्रेस मिलकर लड़ी थी

बता दें कि अखिलेश यादव ने 2019 के लोकसभा चुनाव में मायावती के साथ मिलकर लड़ा था। इसमें सपा को तीन सीटें मिली थीं। 2024 में सपा ने कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ा। यूपी में सपा के 37 सांसद जीते और उसने बीजेपी को पूर्ण बहुमत में आने से रोक दिया। यही नहीं कांग्रेस भी 1 से बढ़कर 6 सांसदों वाली पार्टी बन गई।

सपा का गढ़ रहा मिल्कीपुर

मिल्कीपुर सीट पर भाजपा को तीसरी बार जीत मिली है इससे पहले 1991 और 2017 में जीत मिली और अब 2025 में चंद्रभानु पासवान ने सपा के गढ़ में भगवा परचम लहराने में सफलता हासिल की है। मिल्कीपुर सीट का गठन 1967 में हुआ था और 1969 में तत्कालीन जनसंघ हरिनाथ तिवारी विधायक चुने गये थे। इसके बाद 1974 से 1989 तक यह विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी का अभेद्य किला बन गया।1991 में राम लहर में मथुरा प्रसाद तिवारी ने भाजपा से जीत दर्ज की फिर 2012 तक यहां पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2017 में मोदी लहर में भाजपा के बाबा गोरखनाथ विजयी रहे। यह अलग बात है कि इसके बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के अवधेश प्रसाद ने बाबा को पराजित किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने अवधेश प्रसाद को अपना उम्मीदवाबर बनाया था और वह जीत गये। तभी से भाजपा पर लगातार दबाव बनता जा रहा था कि किसी न सिकी प्रकार से यह सीट हर हाल में जीतकर दिखानी है और योगी जी की टीम ने यह काम कर दिखाया है। मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव में भाजपा भदरसा दुष्कर्म कांड के बहाने सपा पर हमलावर रही। चुनावों के बीच ही वहां पर एक बालिका के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का एक मामला सामने आया उसके बाद विपक्षी दलों ने भाजपा को घेरने का असफल प्रयास किया। इस घटना को लेकर सभी दलों के नेताओं ने सोशल मीडिया पोस्ट करके राजनीतिक तापमान को गरमाने का असफल प्रयास किया था किंतु आरोपियों के पकड़े जाते ही यह मामला दब हो गया।

मिल्कीपुर विजय से भाजपा को राहत

जून 2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद सबसे अधिक चर्चा फैजाबाद संसदीय क्षेत्र में भाजपा की पराजय की हुई, जहाँ श्री रामजन्मभूमि पर दिव्य, भव्य राम मंदिर का हिन्दू समाज का 500 वर्ष पुराना सपना पूरा होने के बाद भी भारतीय जनता पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा। फैजाबाद जीत से विपक्ष का आत्मविश्वास बढ़ गया कि इसके बाद हुई अपनी गुजरात रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने, भाजपा के राजनीति से विश्राम ले चुके वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी जी के राम मंदिर आंदोलन को ही हरा देने की बात कही। मिल्कीपुर को भाजपा ने अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था क्योंकि वर्ह प्रभु राम को ही अयोध्या का एकमात्र राजा मानते हैं । अब तक प्रदेश में 11 विधानसभा उपचुनाव हो चुके हैं जिसमें भाजपा को आठ सीटों पर सफलता मिली है और प्रदेश में सपा और कांग्रेस गठबंधन भी बिखर रहा है। राजनैतिक दल के रूप में भाजपा ने मिल्कीपुर चुनाव जीतने के लिए बेहद आक्रामक रणनीति तैयार की और स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार मिल्कीपुर का दौरा किया। जब योगी जी मिल्कीपुर जाते थे तब सपा सांसद का

बयान आता था कि योगी जी जितनी बार मिल्कीपुर आयेंगे भाजपा का वोट प्रतिशत उतना ही घटेगा और सपा का उतना ही वोट प्रतिशत बढ़ता जायेगा जबकि परिणाम उसके विपरीत आये हैं। मिल्कीपुर की जनता के बता दिया है कि अयोध्या के एकमात्र राजा प्रभु राम ही है।

भाजपा सरकार के सामने झुकेंगे नहीः अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव योगी सरकार के खिलाफ हमला बोलने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। अयोध्या की मिल्कीपुर उपचुनाव में सपा को मिली करारी हार को लेकर अखिलेश यादव बीजेपी सरकार, पुलिस प्रशासन और चुनाव आयोग पर लगातार हमलावर हैं। इसी क्रम में सपा मुखिया अखिलेश यादव का एक बयान सामने आया है, जिसमें अखिलेश बीजेपी सरकार के सामने न झुकने की बात कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि न केवल सपा ने 37 सांसद जीते हैं, बल्कि कांग्रेस को भी यूपी में 6 सांसद जिताने का काम किया है। दरअसल, समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल ने एक्स पर 12 फरवरी को शाम 4 बजकर 34 मिनट पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का एक वीडियो बयान पोस्ट किया था। उस वीडियो बयान में अखिलेश यादव कहते हुए नजर आ रहे हैं कि कभी हम 3 लोकसभा के सांसद थे। हम लोगों ने लड़ा और सरकार के सामने नहीं झुके। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने आगे कहा कि न केवल हमने 37 सांसद जीते हैं, बल्कि कांग्रेस पार्टी को 6 सांसद उत्तर प्रदेश में जिताने के लिए समाजवादी पार्टी के लोगों ने काम किया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बच्चों को दें आगे बढ़ने के लिए खुला आकाश!

देश के लगभग सभी कोनों से तनाव, शिक्षकों और अभिभावकों की अतिमहत्वाकांक्षा के चलते बच्चों द्वारा डिप्रेशन में जाने और अपनी जीवन लीला समाप्त करने के समाचार आम होते जा रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि बच्चों के कोमल मन को प्रतिस्पर्धा के बोझ तले दबाने में आज घर, परिवार, समाज, शिक्षा केन्द्र और सोशियल मीडिया प्रमुखता से नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं।

भारत में स्कूली बच्चों के परीक्षा आने वाले हैं। सरकार से लेकर हर प्लेटफार्म पर छात्रों को परीक्षा की तैयारी के लिए टिप्स दिए जा रहे हैं। एक्सपर्ट कह रहें है विफलताओं से सबक लेकर आगे बढ़ना ही सबसे कारगर है। दरअसल आज बच्चों को खुला आसमान चाहिए। जहां वह अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। जीवन में सफल होने के लिए बहुत कुछ होता है। छात्रों को संपूर्ण परीक्षा व्यवस्था और इसके साइड इफेक्ट को समझते हुए संवाद कायम करना अपने आप में महत्व रखता है। देश के लगभग सभी कोनों से तनाव, शिक्षकों और अभिभावकों की अतिमहत्वाकांक्षा के चलते बच्चों द्वारा डिप्रेशन में जाने और अपनी जीवन लीला समाप्त करने के समाचार आम होते जा रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि बच्चों के कोमल मन को प्रतिस्पर्धा के बोझ तले दबाने में आज घर, परिवार, समाज, शिक्षा केन्द्र और सोशियल मीडिया प्रमुखता से नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। पता नहीं शिक्षा व्यवस्था में भी यह किस तरह का बदलाव है कि 20-21 वीं सदी में दसवीं पास करना बड़ी बात माना जाता था तो परीक्षा देने वाले लाखों बच्चों में से फर्स्ट डिविजन कुछ हजार तक ही रहते थे उसके बाद लगभग दोगुणे द्वितीय श्रेणी में व बाकी तीसरी डिविजन में संतोष कर लेते थे।

आज हालात यह है कि परीक्षा देने वाले अधिकांश बच्चों के मार्क्स तो 90 प्रतिशत या इससे अधिक ही होते हैं। 80 से 90 प्रतिशत तक उससे कम और पर उनसे भी कम बच्चें इससे कम प्रतिशत में होते हैं। यहां सवाल परीक्षा प्रणाली को लेकर हो जाता है तो दूसरी और प्रतिस्पर्धा की यह खिचड़ी 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों और खासतौर से उनके पैरेंटस में होने लगी है। अब तो हो यह गया है कि पैरेंट्स की प्रतिष्ठा के लिए बच्चों की बली चढ़ाई जाने लगी है। प्रेशर में रखना ही अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका में आ गया है। अब अभिभावक दिशा देने वाले के स्थान पर अपनी कुंठा को बच्चों से पूरा कराने में जुटे हैं। यह वास्तविकता है। बच्चें की लगन किसी और दिशा में होती है और उससे अपेक्षा कुछ और करने या बनाने की होने लगती है। कुछ बच्चों का कोमल मन यह प्रेशर सहन नहीं कर पाता है और डिप्रेशन या मौत को गले लगा लेते हैं और फिर पैरेंट्स आंसू पूछते रह जाते हैं। पैरेंट्स को बच्चों की लगन, रुचि को समझना होगा। अपनी अपेक्षाएं उस पर लादने के स्थान पर दिशा देने के प्रयास करने होंगे। बच्चों के साथ बैठकर खुलकर बात करें। उनकी ईच्छा, लगन और कोई परेशानी है तो उसे समझने का प्रयास करें। बच्चों में परस्पर तुलना करके बालक मन को कुंठित नहीं करना चाहिए। बच्चों को निराश करने के स्थान पर मोटिवेट करने के समग्र प्रयासों की आवश्यकता है। ऐसे में अब अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वह बच्चों पर कुछ थोपे नहीं बल्कि खुलकर अपने हिसाब करियर बनाने दे बस उन्हें इतना निर्देश कि वह कोई गलत कदम न उठाने पाएं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्राकृतिक खाद्यों में विश्व का नेतृत्व करे भारत

भारत डोगरा

विश्व की खाद्य व कृषि व्यवस्था पर चंद बहुराष्ट्रीय कंपनियों का अधिक व बढ़ता नियंत्रण एक बड़ी चिंता का विषय रहा है। एक समय अनेक किसान व सामाजिक आंदोलनों की उम्मीद थी कि इन विशालकाय कंपनियों के नियंत्रण से मुक्ति के प्रयासों में चीन से बड़ी सहायता मिलेगी। पर हाल के समय में चीन ने जो नीतियां अपनाई हैं उनसे तो लगता है कि वह स्वयं इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों की राह पर ही चल निकला है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने खाद्य व्यवस्था पर अपने नियंत्रण के लिए प्राय: जेनेटिक स्तर पर संवर्धित फसलों की तकनीक का बहुत उपयोग किया है। कुछ समय तक तो चीन ने इन जीएम फसलों से अपनी दूरी बनाए रखी, पर हाल के समय में इसने तेजी से अनेक जीएम खाद्य फसलों को अपना लिया है। इसी तरह जीएम खाद्यों के आयात पर प्रतिबंध भी ढीले कर दिए गए।

सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि चीन की एक बहुत बड़ी सरकारी नियंत्रण की कंपनी ने 43 अरब डालर के एक सौदे में ऐसी एक बड़ी पश्चिमी कंपनी का अधिग्रहण कर लिया जो जीएम फसलों के प्रसार के लिए जानी जाती है व विकासशील देशों के बीज पर अधिक नियंत्रण करने के जिसके प्रयासों की आलोचना होती रही है। लगता है कि चीन की यह सरकारी कंपनी भी आज नहीं तो कल विकासशील देशों में जीएम फसलों का प्रचार ही करेगी। इस तरह विश्व स्तर के जन-आंदोलनों व किसान आंदोलनों में चीन की इस सरकारी नियंत्रण की कंपनी की भी वैसी ही निंदा होगी जैसी कि पहले पश्चिमी देशों में स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनियों की होती रही हैं। यह आश्चर्य की बात है कि चीन के सामान्य लोगों व उपभोक्ताओं में जीएम फसलों के प्रति बहुत नकारात्मक सोच होने के बावजूद व जन-भावनाओं की उपेक्षा करते हुए वहां की सरकार जीएम फसलों के समर्थन की राह पर चली है।

एक अध्ययन में तो यह पाया गया कि केवल 12 प्रतिशत चीनी उपभोक्ताओं की ही जीएम फसलों के प्रति सकारात्मक सोच है व अधिकांश लोग उन्हें हानिकारक ही मानते हैं।

एक अन्य सर्वेक्षण में यह पता चला कि 60 प्रतिशत चीन के नागरिकों की जीएम वैज्ञानिकों के प्रति नकारात्मक सोच है। इस विषय पर भारत के सबसे विख्यात वैज्ञानिक प्रो. पुष्प भार्गव आधिकारिक विशेषज्ञ थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय पर उन्हें अपने सलाहकार

की तरह माना और उनका सहयोग प्राप्त किया। उन्होंने जीएम फसलों पर हुए लगभग सभी अनुसंधान पत्रों का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला था कि जो स्वतंत्र व निष्पक्ष वैज्ञानिक हैं उनमें लगभग सभी ने जीएम फसलों को हानिकारक पाया है। हां, जो वैज्ञानिक जीएम फसलों का प्रसार करने वाले व्यावसायिक हितों से जुड़े रहे उनकी बात अलग है। चीन की नीति में जो बदलाव आया है, वह वैज्ञानिक आधार पर नहीं आया है अपितु जीएम फसलों व खाद्यों से जुड़ी कंपनियों के नीति-निर्धारकों पर बढ़ते असर के कारण आया है। वहां के बीज व कृषि क्षेत्र में इन कंपनियों के पहले दबदबे व असर के कारण ही नीतिगत बदलाव हुए हैं। जी.एम. फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार यह रहा है कि यह फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा यह असर जेनेटिक प्रदूषण के माध्यम से अन्य सामान्य फसलों व पौधों में फैल सकता है। इस विचार को इंडिपेंडेंट साइंस पैनल ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है। इस पैनल में एकत्र हुए विश्व के अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने जी.एम. फसलों पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया जिसके निष्कर्ष में उन्होंने कहा है- 'जी.एम. फसलों के बारे में जिन लाभों का वादा किया गया था वे प्राप्त नहीं हुए हैं व ये फसलें खेतों में समस्याएं पैदा कर रहीं हैं। अब इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर ट्रान्सजेनिक प्रदूषण से बचा नहीं जा सकता है। अत: जी.एम. फसलों व गैर जी.एम. फसलों का सह अस्तित्व नहीं हो सकता है।' सबसे महत्वपूर्ण यह है कि जी.एम. फसलों की सुरक्षा या सेफ्टी प्रमाणित नहीं हो सकी है।

पर्याप्त प्रमाण प्राप्त हो चुके हैं जिनसे इन फसलों की सेफ्टी या सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं। यदि इनकी उपेक्षा की गई तो स्वास्थ्य व पर्यावरण की क्षति होगी जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती है, जिसे फिर ठीक नहीं किया जा सकता है। जी.एम. फसलों को अब दृढ़ता से रिजेक्ट कर देना चाहिए, अस्वीकृत कर देना चाहिए।' चीन द्वारा तथ्यों की अवहेलना करते हुए जीएम फसलों को अपना लेने का एक अर्थ यह भी है कि भारत के सामने एक बड़ी संभावना है और एक बड़ी चुनौती है। आगामी वर्षों में दुनिया में सबसे अधिक मांग उन खाद्यों की होगी जो स्वास्थ्य की दृष्टि से सबसे सुरक्षित व उत्तम है।

टैरिफ वॉर के बीच कैदी अदला-बदली का खेल

पुष्परंजन

चीनी लीडरशिप, अमेरिका की आंखों में आंखें डालकर किसके बूते बात करती है? क्या उसकी वजह केवल ट्रेड और सैन्य ताक़त है, या कुछ और? जो है, वो दिखता नहीं। अमेरिका दुनिया को बताता नहीं, कि उसके कितने नागरिक चीनी जेलों में पड़े हैं। कैदियों का डाटा बेस तैयार करने वाले दुई हुआ फाउंडेशन का आकलन है कि अमेरिकी जेलों में 400 चाइनीज़, और चीनी जेलों में 300 अमेरिकी नागरिक कैद हैं। आप हमारे तीन कैदी छोड़ो, उतने ही कैदी हम छोड़ेंगे, इसी बराबरी वाले फार्मूले पर कैदियों का तबादला चीन-अमेरिका के बीच हो रहा है। यह कहानी तीन माह पहले की है, जब अमेरिकी कैदी तीन चीनियों के बदले छोड़े गए था।

उनकी रिहाई के वास्ते अमेरिका के पसीने छूट गए थे। तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने अगस्त, 2024 में चीन की यात्रा की और चीन में गलत तरीके से हिरासत में लिए गए सभी अमेरिकियों की रिहाई का आग्रह किया। तत्कालीन विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने उसके अगले माह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में चीनी राजनयिक वांग यी के साथ तीनों व्यक्तियों के मामले उठाए। उसके प्रकारांतर, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नवंबर में पेरू में उनकी रिहाई के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर दबाव डाला था। क्या बाक़ी अमेरिकी कैदियों की रिहाई का ज़िम्मा ट्रंप ने लिया है? इस सवाल का उत्तर शी और ट्रंप की मुलाक़ात के बाद ही अमेरिकी जनता समझ पायेगी। लेकिन ट्रंप पर इसका दबाव है, कि कैदियों की रिहाई की जो शुरुआत जो बाइडेन ने की थी, उसे पुरज़ोर तरीके से आगे बढ़ाया जाये। दुई हुआ फाउंडेशन, चीन की जेल प्रणाली की अस्पष्टता की आलोचना करता है, जहां बहुत-सी जानकारी गोपनीयता के नाम पर छिपाई जाती है। उसके बरअकस, अमेरिकी जेल के आंकड़े रहस्य जैसे नहीं हैं, ऐसा दावा दुई हुआ फाउंडेशन करता है । कैद में रहना कठिन है, लेकिन विदेश में कैद होना और भी कठिन है। विदेशी कैदियों को भाषाई और सांस्कृतिक बाधाओं और एक अपरिचित कानूनी प्रणाली का सामना करना पड़ता है। 1963 में च्कांसुलर संबंधों पर वियना कन्वेंशनज् में चीन और अमेरिका सहित अधिकांश देश शामिल हैं, जिसके आधार पर किसी देश में कैद विदेशी नागरिकों में रिहाई की उम्मीद बनी रहती है।

दो दशकों से अमेरिका और चीन के बीच अलग से द्विपक्षीय समझौता च्यूएस-पीआरसी कांसुलर कन्वेंशनज्, वियना कन्वेंशन से अधिक कठोर है। यदि कोई बंदी ऐसा अनुरोध करे तो उसके देश के कूटनीतिक मिशन को 24 से 72 घंटे के बीच सूचित किया जाना अनिवार्य है। वर्ष 2024, नवम्बर में वर्षों से हिरासत में रखे गए तीन अमेरिकी नागरिकों को चीन ने रिहा किया था। उनके नाम थे मार्क स्विडन, काई ली, और जॉन लेउंग। प्रशासन के एक अधिकारी ने गुरुवार को पुष्टि की कि तीनों अमेरिकी टेक्सास में जॉइंट बेस सैन एंटोनियो के हिस्से लैकलैंड एयर फ़ोर्स बेस के ज़रिए वापस अमेरिका लौट आए। उससे पहले, अमेरिकी पादरी डेविड लिन भी सितम्बर, 2024 में चीनी क़ैद से छोड़े गए थे।

न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड के रहने वाले 62 वर्षीय डेविड लिन को 2016 में हिरासत में लिया गया था, और 2018 में जासूसी के आरोपों में 10 साल की सज़ा सुनाई गई थी, जिसके बारे में उनके परिवार का कहना है कि ये आरोप निराधार हैं। टेक्सास के 40 वर्षीय व्यवसायी स्विडन को 2012 से हिरासत में रखा गया था और 2019 में उन्हें ड्रग से संबंधित आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद मृत्युदंड की सज़ा सुनाई गई थी, जिसके बारे में संयुक्त राष्ट्र के एक कार्य समूह ने कहा था कि इसका कोई साक्ष्य आधार नहीं था। ली और स्विडन को विदेश विभाग द्वारा चालत तरीके से हिरासत में लिया गयाज् माना गया था। 60 वर्षीय अमेरिकी नागरिक लेउंग, जिनका हांगकांग के चीनी क्षेत्र में स्थायी निवास भी है, को पिछले साल पूर्वी चीन की एक अदालत द्वारा जासूसी का दोषी पाए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हांगकांग और चीनी समाचार आउटलेट के अनुसार, 2021 में हिरासत में लिए गए लेउंग यूएसएए में बीजिंग समर्थक समूह के सदस्य थे, और वरिष्ठ चीनी अधिकारियों के साथ उनकी तस्वीरें सामने आई थीं। अमेरिकी सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि उनकी रिहाई चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी जू यानजुन और एक चीनी नागरिक जी चाओकुन के लिए कैदी अदला-बदली का हिस्सा थी। जू को अमेरिकी विमान इंजन आपूर्तिकर्ता जीई एविएशन से तकनीक चुराने के कथित प्रयास के बाद गिरफ्तार किया गया था।

जी चाओकुन पर चीनी सरकार के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। यह नवम्बर, 2024 की बात है, जब पेइचिंग में विदेश मंत्रालय ने भी स्वीकार किया था कि उसके तीन नागरिक सुरक्षित रूप से चीन लौट आए हैं। ब्रिटिश अधिवक्ता पीटर हम्फ्रे भी मानते हैं कि चीन में लगभग 300 अमेरिकी हिरासत में हैं, और उनमें से किसी के साथ भी निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सुनवाई नहीं हुई है। लेकिन पेइचिंग का कहना है कि सभी मामलों को कानून के अनुसार निपटाया जाता है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा, कि हमारे नागरिकों को निशाने पर लेने वाले अमेरिका का विरोध हमेशा करते रहेंगे। दिलचस्प है कि क़ैदियों जैसे विषय सामने नहीं लाये जा रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से उनके शपथ ग्रहण के बाद से ही बात की है, जो बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव का संकेत है।

योजना बनाने में मदद करें

बच्चे के साथ मिलकर एक प्रभावी टाइम टेबल तैयार करें। टाइमटेबल ऐसा हो ताकि पढ़ाई और आराम के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके। कठिन विषयों को अधिक समय दें और पिछले साल के प्रश्न पत्र और महत्वपूर्ण टॉपिक्स की पहचान करें।

मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चा मानसिक रूप से परेशान न हो। उसका उत्साहवर्धन करने का प्रयास करें। ऐसी बातें करें जो उसे उत्साहित करें ना कि निराश करें। जैसे तुम यह कर सकते हो और मैं तुम्हारे साथ हूं आदि बातें कहें। बच्चे की तुलना अन्य बच्चों से न करें।

परिणाम को लेकर चिंता न करें

बच्चे को यह समझाएं कि मेहनत का परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। परीक्षा के बाद भी उसे यह भरोसा दिलाएं कि आपका प्यार और समर्थन उसके साथ है। परिक्षा में बेहतर अंक को भविष्य के लिए एकमात्र रास्ता न बनाएं।

खानपान का ध्यान रखें

बोर्ड की परीक्षा के दौरान बच्चे को पौष्टिक भोजन दें, जिससे उनके पाचन और स्वस्थ्य शरीर के लिए आवश्यक है। पौष्टिक भोजन में फल, सब्जियां, नट्स, और प्रोटीन शामिल करना चाहिए। बच्चों को जंक फूड देने से बचना चाहिए। ये सेहत के लिए तो नुकसानदायक होता ही है, इसके अलावा एकाग्रता भी भंग करता है। इसके अलावा परीक्षा से ध्यान भटकाने वाले अन्य कारक भी है जिन पर ध्यान देना चाहिए। जैसे बच्चे के मोबाइल और सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करें। घर का माहौल ऐसा हो जहां वह पढ़ाई के लिए ध्यान केंद्रित कर सके और शांत वातावरण में मन लगा कर पढ़ सके।

बोर्ड परीक्षा

बच्चे की बेहतर तैयारी के लिए करें ये काम

रिवीजन पर ध्यान दें

परीक्षा के करीब आते-आते बच्चे को पूरे सिलेबस का रिवीजन करने के लिए प्रेरित करें। समय सीमा के साथ मॉक टेस्ट दें ताकि बच्चे को परीक्षा का अनुभव हो सके।

आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करें

बच्चे को समस्याओं को खुद हल करने की आदत डालें। जब बच्चा किसी प्रश्न में अटका हो, तब उसे मार्गदर्शन दें, लेकिन उसे पूरी तरह आप पर निर्भर न बनाएं।

प्रोत्साहित करें

बच्चा दबाव में तब आता है, जब माता पिता अपनी चिंता अत्यधिक जाहिर करते हैं, वो भी नकारात्मक तरीके से। उन पर दबाव बनाने के बजाए माता पिता को बच्चे को परीक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही बच्चे के छोटे-छोटे प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना करें।परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न बनाने की बजाय इसे एक सीखने का अवसर मानें।

नींद का ध्यान रखें

दिनभर पढ़न से बच्चा होनहार नहीं हो जाएगा। जरूरी है कि हर एक दो घंटे की पढ़ाई के बाद उसे 10-15 मिनट का ब्रेक मिले। इस ब्रेक में वह दिमाग को फ्रेश करें। शारीरिक गतिविधि करे ताकि उसके दिमाग को आराम और सेहत दुरुस्त रह सके। इसके साथ ही नींद बेहतर जरूरी है। बच्चे को कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

10वीं या 12वीं कक्षा में पढ़ रहे बच्चे के लिए बोर्ड परीक्षा एक अहम पड़ाव होता है, जो उनके भविष्य को तय करने में मदद करता है। अच्छे अंक आने पर बेहतर कॉलेज में प्रवेश, छात्रवृत्ति और करियर के लिए क्षेत्र तय करने में मदद मिलती है। ऐसे में भारत के अधिकतर सभी स्कूलों, कोचिंग क्लासेज बच्चों को बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार करते हैं। माता-पिता अपने बच्चे की बोर्ड परीक्षा के लिए सबसे अधिक चिंतित होते हैं। ऐसे में वह बच्चे पर पढ़ाई का अतिरिक्त दबाव बनाने लगते हैं। लेकिन इसका असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी होता है और अतिरिक्त दबाव उन्हें परेशान कर सकता है। बोर्ड परीक्षा बच्चों के लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होती है और इसमें अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ ऐसा करना चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।

हंसना मना है

वाईफ- प्लीज बाइक तेज ना चलाओ, मुझे डर लग रहा है। सरदार- अगर तुझे भी डर लग रहा है,तो मेरी तरह आंखें बंद कर ले।

पत्नी- डॉक्टर साहब.. मेरे पति को रात में बड़बड़ाने की आदत है, कोई उपाय बताये? डॉक्टर- आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करें..

पापा बेटी से- बेटी पहले तो तुम मुझे पापा कहती थी, लेकिन अब तुम मुझे डैड कहती हो, क्यों? बेटी- ओह डैड, पापा कहने से लिपस्टिक खराब होती है।

संता बार में रो रहा था। बंता- क्यों रो रहे हो? संता- और क्या करूं? जिस लड़की को भुलाना चाहता हूं, उसका नाम ही याद नही आता।

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा-मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिए! पति- ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए)- मना रहें हो मुझे.. पति- नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

एक नई शादीशुदा औरत कोक पी रही थी, उसमें एक मच्छर गिर गया, औरत ने उसे निकाला तो मच्छर बोला, मां! औरत- तूने मुझे मां क्यों कहा? मच्छर- मैं तेरी कोक से निकला हूं, मां!

कहानी | जोरू का गुलाम

एक बार की बात है, राजा अकबर व बीरबल दरबार में बैठे कुछ अहम मामलों पर चर्चा कर रहे थे। तभी बीरबल ने अकबर से कहा, मुझे लगता है कि ज्यादातर पुरुष जोरू के गुलाम होते हैं और अपनी पत्नियों से डर कर रहते हैं। बीरबल की यह बात राजा को बिल्कुल भी पसंद न आई। उन्होंने इस बात का विरोध किया। इस पर बीरबल भी अपनी बात मनवाने पर अड़ गए। उन्होंने राजा से कहा कि वे अपनी बात को सिद्ध कर सकते हैं। मगर, इसके लिए राजा को प्रजा के बीच एक आदेश जारी करवाना होगा। वह आदेश यह था कि, जिस पुरुष के अपनी पत्नी से डरने की बात सामने आएगी, उसे दरबार में एक मुर्गी जमा करानी होगी। राजा बीरबल की इस बात पर तैयार हो गए। अगले ही दिन प्रजा के बीच आदेश कराया गया कि अगर यह बात सिद्ध हो जाती है कि कोई पुरुष अपनी पत्नी से डरता है, तो उसे दरबार में आकर बीरबल के पास एक मुर्गी जमा करवानी होगी। फिर क्या था, देखते ही देखते बीरबल के पास ढेरों मुर्गियां इकट्ठा हो गईं और सैंकड़ों मुर्गियां महल के बगीचे में घूमने लगीं। अब बीरबल राजा के पास पहुंचे और बोले, महाराज! महल में इतनी मुर्गियां इकट्ठा हो गई हैं कि आप एक मुर्गीखाना खोल सकते हैं, इसलिए अब आप इस आदेश को वापिस ले सकते हैं। मगर, महाराज ने इस बात को गंभीरता से नहीं लिया और महल में मुर्गियों की संख्या धीरे-धीरे और भी ज्यादा बढ़ने लगी। इतनी अधिक मुर्गियां महल में जमा हो जाने के बाद भी जब राजा अकबर बीरबल की बात से सहमत नहीं हुए, तो बीरबल ने अपनी बात सिद्ध करने के लिए एक नया उपाय निकाला। एक दिन बीरबल राजा के पास गए और बोले, महाराज! मैंने सुना है कि पड़ोस के राज्य में एक बहुत ही खूबसूरत राजकुमारी रहती है। अगर आप चाहें, तो क्या मैं आपका रिश्ता वहां पक्का कर आऊं? यह सुनते ही राजा चौंक उठे और बोले, बीरबल! तुम ये कैसी बातें कर रहे हो। महल में पहले से ही दो महारानियां मौजूद हैं। अगर उन्हें इस बात की भनक भी लगी, तो मेरी खैर नहीं होगी। यह सुनकर बीरबल ने तपाक से जवाब दिया, चलिए महाराज, फिर तो आप भी मेरे पास दो मुर्गियां जमा करा ही दीजिए। राजा बीरबल का ऐसा जवाब सुनकर शरमा गए और उन्होंने अपना आदेश उसी वक्त वापस ले लिया।

7 अंतर खोजें

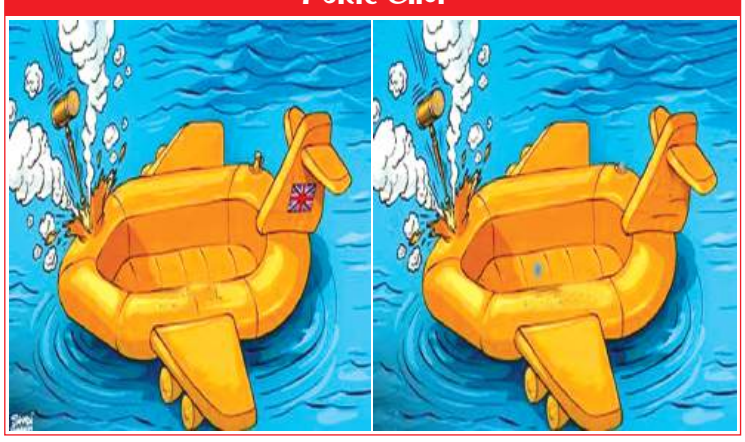

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। किसी प्रभावशाली वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

वृषभ प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

कर्क धनहानि की आशंका बनती है। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त होगा, धैर्य रखें। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। दौड़धूप होगी।

सिंह प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

कन्या बुरे लोगों की पहचान जरूरी है। उनसे दूर रहें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक मित्र व संबंधी अतिथियों के रूप में घर आ सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक कुसंगति से बचें। धनहानि हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेवजह चिड़चिड़ापन रह सकता है। धनागम होगा। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

मकर आंखों को चोट व रोग से बचाएं। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। किसी व्यक्ति के व्यवहार से लगेगा कि अपमान हुआ है।

कुम्भ चिंता तथा तनाव रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा।

मीन आशंका-कुशंका के चलते कोई बड़ी गलती हो सकती है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। पुराना रोग उभर सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं बड़े बजट की फिल्म नहीं बनाता : निखिल आडवाणी

निर्देशक निखिल आडवाणी ने सलमान खान, शाहरुख खान और अक्षय कुमार के साथ कई फिल्में बनाई। निखिल ने कहा कि उन्हें अब सुपरस्टार्स के साथ फिल्म बनाना ही नहीं आता है। निखिल ने कहा कि इन सितारों से प्रशंसक बॉक्स ऑफिस पर बड़ी कमाई की उम्मीद करते हैं। ऐसे में वह इन सितारों के साथ एक फिल्म बना सकते हैं, लेकिन दबाव से बचने के लिए उन्हें निर्देशित नहीं करना चाहते हैं। निर्देशक ने कहा, मैं सलमान के साथ फिल्म नहीं बनाना चाहता। उन्होंने कहा कि वह खुद को बहुत भाग्यशाली मानते हैं कि वह उन लोगों को चुन सकते हैं जिनके साथ वह काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं सभी से कहता हूं, जॉन, अक्षय की फिल्में बिग बजट की होती हैं और मुझे नहीं पता कि 600-800 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म कैसे बनाई जाती है। निर्देशक ने कहा कि वे शाहरुख खान, सलमान खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन बहुत बड़े सितारे हैं। उनके फैंस को संतुष्ट करने के लिए उन नंबरों की बहुत जरूरत होती है और इतने बड़े बजट की फिल्में बनाना मुझे तो नहीं आता। शाहरुख को लेकर निर्देशक ने कहा, कल हो न हो के कारण हम दोनों के बीच काम को लेकर अच्छा रिलेशनशिप है। निखिल ने कहा कि उनके पास फिलहाल शाहरुख के लिए कुछ खास काम नहीं है। मुझे जब तक नहीं लगेगा कि मैं कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम और कल हो न हो जैसी फिल्मों को बीट कर सकता हूं, तब तक उनके साथ काम नहीं करूंगा। निखिल आडवाणी ने कहा कि शाहरुख मेरे साथ फिल्म करना चाहते थे, ऐसे में मुझे उनके साथ कल हो न हो जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। निखिल ने कहा कि उन्हें मार धाड़ ही करना था, उन्हें लव स्टोरी करना बिल्कुल पसंद नहीं था। उन्होंने अब डॉन और पठान में ऐसा ही काम किया, जैसा उन्हें पसंद था। निर्देशक निखिल आडवाणी को हीरो, बाटला हाउस, वेदा, सलाम ए इश्क, कल हो न हो जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

एक बार मैं डिप्रेशन से टूट गई थी : दीपिका

दीपिका ने बताया कि एक पल उनकी जिंदगी में ऐसा आया था जब वो पूरी तरह से हार चुकी थीं और जीना नहीं चाहती थी। लेकिन बाद में उन्होंने डिप्रेशन से लड़ने का फैसला किया। एक्ट्रेस की इस कहानी ने छात्रों को मोटिवेट किया। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परीक्षा पे चर्चा के दूसरे एपिसोड में छात्रों संग बातचीत की। इस दौरान छात्रों ने दीपिका से डिप्रेशन को लेकर सवाल किया। जिसके बाद उन्होंने बताया कि एक पल उनकी जिंदगी में ऐसा आया था जब वो पूरी तरह से हार चुकी थीं और जीना नहीं चाहती थी। लेकिन बाद में उन्होंने डिप्रेशन से लड़ने का फैसला किया। एक्ट्रेस की इस कहानी ने छात्रों को मोटिवेट किया। पादुकोण ने कहा, मैंने स्कूल में सबसे पहले स्पोर्ट में हिस्सा लिया और खेला, फिर मॉडलिंग किया और उसके बाद एक्टिंग की दुनिया की ओर कदम बढ़ाया। मैं खुद को तब तक धकेलती रही जब तक कि 2014 में मैं अचानक बेहोश हो गई। बाद में ही मुझे एहसास हुआ कि मैं डिप्रेशन से जूझ रही थी। डिप्रेशन के बारे में बात यह है कि यह किसी को दिखाई नहीं देता है - आप इसे हमेशा नहीं देख सकते हैं। हमारे आस-पास ऐसे लोग हो सकते हैं जो चिंता या डिप्रेशन से जूझ रहे हों, फिर भी हमें कभी पता नहीं चल पाता, क्योंकि बाहर से वे खुश और सामान्य दिखते हैं। दीपिका ने आगे बताया कि मुंबई में अकेले रहते हुए उन्होंने लंबे समय तक चुपचाप डिप्रेशन से संघर्ष किया। लेकिन उनकी मां समझ गई थीं कि मेरे साथ कुछ गलत हो रहा है और वो मदद के लिए आगे आईं। उन्होंने कहा, जब मेरी मां मुझे देखने मुंबई आईं, जिस दिन वो बैंगलोर के लिए निकल रही थीं, मैं अचानक टूट गई। मेरे परिवार ने मुझसे मेरे काम के बारे में कई तरह के सवाल पूछे, लेकिन मैं बस इतना ही कह पाई, मुझे नहीं पता। मैं बस खुद को कमजोर और निराश महसूस करती हूं। मुझे जीना ही नहीं है।'

बोलीं- मां से रोते हुए कहा था- मुझे जीना ही नहीं है...

रिलीज हुआ अंदाज अपना-अपना का टीजर

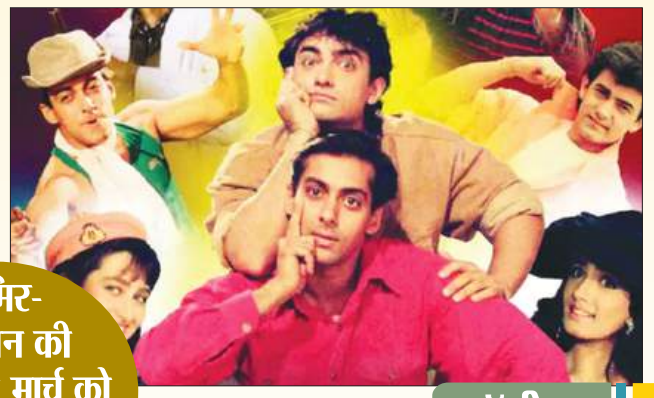

सलमान खान और आमिर खान की फिल्म अंदाज अपना-अपना का टीजर रिलीज हो चुका है। फिल्म सिनेमाघरों में जल्द रिलीज होने वाली है। टीजर में फिल्म की री-रिलीज डेट के बारे में भी बताया गया है। फिल्म 31 साल बाद फिर से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म पहली बार 1994 में रिलीज हुई थी। फिल्म अंदाज अपना-अपना से कॉमेडी का शानदार डोज फैंस को देखने को मिलने वाला है। इस फिल्म के टीजर में अभिनेताओं की वही मस्ती देखने को मिल रही है। फिल्म को देखने के लिए फैंस में बहुत उत्साह है। जारी हुए टीजर के मुताबिक फिल्म 27 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, आमिर खान और सलमान खान की फिल्म को 4च में रिस्टोर और रिमास्टर कर दिया है। साथ ही, इसका साउंड भी डॉल्बी 5.1 में अपग्रेड किया गया है। इससे दर्शकों को एक नया और बेहतरीन सिनेमाई अनुभव मिलेगा। फिल्म को लेकर मेकर्स ने लिखा- दोस्ती, दिवानगी और धमाकेदार कॉमेडी...एक बार फिर से। हम सब वापस आ रहे हैं, बस तैयार रहना! अंदाज अपना अपना एक कॉमेडी फिल्म है, जो अपने समय में बॉक्स ऑफिस पर असफल रही थी। हालांकि, जैसे-जैसे साल गुजरते गए, यह फिल्म एक कल्ट क्लासिक बन गई। आमिर खान और सलमान खान की जोड़ी ने दर्शकों के दिलों में ऐसी जगह बनाई कि आज भी उनकी केमिस्ट्री को याद किया जाता है। फिल्म में रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, परेश रावल और शक्ति कपूर ने भी अहम किरदार निभाए थे। इस फिल्म के संवाद जैसे गलती से मिस्टेक हो गया और क्राइम मास्टर गोगो नाम है मेरा, आंखें निकाल के गोटियां खेलती हूं मैं आज भी दर्शकों की जुबान पर हैं और ये पॉप कल्चर का हिस्सा बन चुके हैं।

आमिर-सलमान की फिल्म 27 मार्च को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

बॉलीवुड | मसाला

60 हजार सैलरी, मुफ्त का घर! पर शर्त सुनकर भाग खड़े होते हैं लोग

हमारी दुनिया में दो किस्म के लोग रहते हैं। एक वो, जो खाने में शाकाहार लेते हैं और किसी भी तरह के नशे से दूरी बनाकर रखते हैं। वहीं दूसरे वे लोग होते हैं, जो खाने में कोई परहेज़ नहीं रखते और नशे में भी सिगरेट और शराब को आम बात समझते हैं। अब ये तो उनकी पर्सनल लाइफ की बात हुई लेकिन सोचिए अगर किसी को नौकरी देने से पहले उसकी आदतें पूछ ली जाएं, तो इंसान क्या जवाब देगा? हमारे देश में कम से कम इस तरह के ऑफिशियल क्लॉज़ वाली नौकरियां नहीं निकलती हैं लेकिन पड़ोसी चीन में एक नौकरी के विज्ञापन ने तहलका मचा रखा है। चाइनीज़ सोशल मीडिया पर लोग इस विज्ञापन को लेकर काफी हैरानी जता रहे हैं। सोचिए जिस देश में खाने वाले कुत्ता-बिल्ली, कॉकरोच-चमगादड़, बिच्छू- सांप कुछ नहीं छोड़ते हों, वहां नौकरी के लिए वेजिटेरियन कैंडिडेट की तलाश की जा रही है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के दक्षिणी इलाके शेनज़ेन में एक कंपनी ने नौकरी के विज्ञापन में ऐसी-ऐसी चीज़ें मांग ली हैं कि सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं। 8 जुलाई को दिए विज्ञापन में ऑपरेशंस एंड मर्चैंडाइज़र्स के रोल के लिए नौकरी निकाली गई है, जिसमें महीने में 50000 युआन यानि करीब 60 हज़ार रुपये दिए जाएंगे। कर्मचारी को रहने के लिए भी मुफ्त में घर दिया जाएगा। ये तो हुई सुविधाएं लेकिन कैंडिडेट को इसके साथ कुछ शर्तें भी पूरी करनी होंगी। कंपनी की शर्त है कि नौकरी के लिए सिर्फ वही लोग एप्लाई कर सकते हैं, जो दयालु और व्यवहार में अच्छे हों। जो धूम्रपान नहीं करते हों और शराब नहीं पीते हों। कैंडिडेट या वेजिटेरियन होना भी ज़रूरी है। कंपनी ह्यूमन रिसोर्स विभाग का कहना है कि अगर आप मांस खाते हैं, तो किसी जानवर को मारते हैं, जो क्रूरता है। इस कंपनी के कॉर्पोरेट कल्चर में ऐसा नहीं है। कंपनी के कैंटीन में भी मांसाहार नहीं परोसा जाता। जो यहां नौकरी करते हैं, उन्हें इसका पालन करना होता है। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस नियम पर जमकर खरी-खोटी सुनाई है।

अजब-गजब | सबसे तीखी मिर्च खाने का रिकॉर्ड है इनके नाम

33 सेकेंड में चट कर गए 10 कैरोलिना रीपर

अक्सर लोगों को देखा गया है कि कई लोग चटपटा, मिर्च-मसालों के बहुत ज्यादा शौकीन होते हैं। उन्हें तीखापन इतना ज्यादा पसंद आता है। की लोग उनको ये सब खाते देखकर पसीना आ जाये लेकिन उनको खाने में मजा आता है। लेकिन क्या आप दुनिया की सबसे तीखी मिर्च खा सकते हैं? शायद नहीं। क्योंकि यह इतनी तीखी है कि आप इसे जुबान पर भी नहीं लगा सकते। एक मिर्च से सैकड़ों लोगों का भोजन बन सकता है। मगर एक शख्स इससे कहीं आगे चला गया। उसने 1-2 नहीं 10 कैरोलिना रीपर चट कर दिया और वह भी महज 33.15 सेकंड में। बता दें कि कैरोलिना रीपर को 2017 में दुनिया की सबसे तीखी मिर्च का खिताब मिला था।

हम बात कर रहे कैलिफोर्निया के रहने वाले ग्रेगरी फोस्टर की। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने ट्वविटर पर बताया कि सबसे तेज़ समय में सबसे ज्यादा कैरोलिना रीपर मिर्च खाने का यह रिकॉर्ड आज भी ग्रेगरी के नाम है। इसे आज तक कोई तोड़ नहीं पाया है (Gregory Foster Carolina Reaper)। इससे पहले उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से 8.72 सेकंड में तीन कैरोलिना रीपर मिर्च खाने के सबसे तेज़ समय के रिकॉर्ड को तोड़ा था। गिनीज बुक के मुताबिक, कुछ लोगों को यह तीखा पसंद है, लेकिन ग्रेगरी अपने मसालेदार तेजी से खाने को चरम सीमा तक ले जाने के लिए जाने जाते हैं।

मसल्स मेमोरी और मैकेनिक्स का कमाल

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की वेबसाइट के मुताबिक ग्रेगरी फोस्टर ने कहा, इस तरीके की कोशिशों में मसल्स मेमोरी और मैकेनिक्स का कमाल होता है। उन्होंने कहा कि वे छोटी और मीठी मिर्चों को खाने का अभ्यास कर खुद को ट्रेंड करते हैं। ऐसा करने से चबाने और निगलने का रिस्पॉन्स ऑटोमैटिक बनता है। ग्रेगरी एक हॉट सॉस कंपनी के मालिक हैं और बागवानी का शौक भी रखते हैं। वह अपने खेत में खुद मिर्च की खेती करते हैं। जब उनसे पूछा गया कि इतनी सारी तीखी मिर्च कोई क्यों खाएगा? इस पर ग्रेगरी ने कहा, मुझे लगता है कि इस दर्द में एक जुनून है।

दिल्ली में सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाएगा आप

» हर दिन होगा भाजपा का वादों से सामना, विपक्ष मांगता रहेगा हिसाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वादों की झड़ी पर एतिहासिक जीत हासिल करने वाली भाजपा जब सत्ता संभालेगी तो उसका हर दिन वादों से सामना होगा। चुनाव में जारी 100 दिन के एजेंडे में किए गए वादों मसलन गर्भवती महिलाओं की सहायता, होली पर घरेलू गैस सिलिंडर समेत अन्य को पूरा करने में पार्टी को खूब जोर लगाना होगा। विपक्ष इन पर हर दिन जवाब मांगेगा और भावी मुख्यमंत्री व उनके सिपहसलारों को उन सवालों के जवाब हर हाल में तलाशने होंगे। इसका सबसे बड़ा कारण मजबूत विपक्ष का होना है। आंदोलन से उपजी आम आदमी पार्टी के 22 विधायक निर्वाचित हुए हैं। विधानसभा सत्र के दौरान वे भी सरकार पर हमलावर रहेंगे। यह कहना गलत नहीं होगा कि कुर्सी संभालते ही मुख्यमंत्री व मंत्रियों को अग्निपरीक्षा के दौर से गुजरना होगा। विकसित दिल्ली के लिए मोदी की गारंटी के तहत 27 प्वाइंट का एजेंडा पूरा करना होगा। नेता प्रतिपक्ष अगर आतिशी बनती हैं तो वह इस मुद्दे को बार-बार सदन की कार्यवाही में उठाएंगी। आम आदमी पार्टी यह भी कह चुकी है कि आठ मार्च को अगर महिलाओं के खाते में यह रकम नहीं डाली गई तो सड़क पर उतरकर विरोध करेंगे। इसी तरह 1700 अनाधिकृत कॉलोनियों को पूर्ण स्वामित्व का वादा भी पूरा करना होगा। खास बात यह है कि होली नजदीक है। भाजपा ने वादा किया है कि होली-दीवाली पर एक-एक एलपीजी सिलिंडर मुफ्त देगी। इस वादे को तुरंत निभाना पड़ेगा। क्योंकि अगले महीने ही होली का त्योहार है। समस्या यह भी आएगी कि जिनका नाम गैस एजेंसी में दर्ज नहीं है उन्हें यह लाभ कैसे मिलेगा।

बीजेपी की सरकार आते ही बिजली व्यवस्था बर्बाद : आतिशी

आप नेता आतिशी ने दिल्ली में पावर कट का मुद्दा उठाया। उन्होंने इस दौरान भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, कि दिल्ली में बीजेपी की सरकार आते ही बिजली व्यवस्था बर्बाद हो गई। पॉवरकट से परेशान दिल्लीवाले इन्वर्टर खरीदना शुरू कर चुके हैं। दिल्लीवाले मान रहे हैं कि इस बार चुनाव में उनसे गलती हो गई जो वह भाजपा की सरकार ले आए। आतिशी ने कहा, भाजपा दिल्ली में साल 1993 से 1998 तक सरकार में थी और उस समय भी बिजली व्यवस्था खराब थी। भाजपा ने तीन दिनों में ही दिल्ली को उत्तर प्रदेश बनाना शुरू कर दिया है और वहां की तरह लंबे-लंबे पॉवरकट लगाना शुरू कर दिए हैं। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भी सोशल मीडिया पर पॉवरकट होने की तमाम शिकायतें की हैं।

भाजपा को चुनाव आयोग का आशीर्वाद था : आदित्य ठाकरे

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे और शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने आज आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। इस दौरान शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत, प्रियंका चतुर्वेदी, अरविंद सावंत और संजय दीना पाटिल मौजूद रहे। केजरीवाल से मुलाकात के बाद आदित्य ठाकरे ने कहा, अरविंद केजरीवाल ने 10 साल में बहुत काम किए हैं जिसे जनता जानती है। भाजपा को चुनाव आयोग का आशीर्वाद था इसलिए भाजपा को चुनाव आयोग का आभार करना चाहिए। काफी जगह वोट काटे गए थे, चुनाव आयोग ने लोगों से वोट डालने का अधिकार छीना है। आज हमारे देश में निष्पक्ष चुनाव नहीं होते हैं।

हर्षवर्धन बने महाराष्ट्र कांग्रेस के नए अध्यक्ष

» प्रदेश में नाना पटोले की लेंगे जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व विधायक हर्षवर्धन सपकाल को महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया। वह वर्तमान अध्यक्ष नाना पटोले की जगह लेंगे, जिन्होंने हाल ही में पार्टी हाईकमान को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। महाराष्ट्र में कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद पार्टी के प्रदेश संगठन में यह बड़ा बदलाव हुआ है। सपकाल की नियुक्ति करके पार्टी महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय और नगर निकाय चुनावों से पहले संगठन को मजबूत करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस ने लोस चुनाव में विदर्भ और महाराष्ट्र में कुल 13 सीटें जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन विधानसभा चुनाव में वह अपनी जीत का सिलसिला जारी नहीं रख पाई।

सपकाल के सामने पार्टी संगठन में नई जान फूंकने और भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति से मुकाबला करने के लिए सभी गुटों को एक साथ लाकर अपनी पुरानी प्रतिष्ठा को फिर से हासिल करने की बड़ी चुनौती है। उनकी नियुक्ति पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार के करीब ढाई महीने बाद की गई है, पटोले के नेतृत्व में लड़ी पार्टी विधानसभा की 288 में से महज 16 सीटें ही जीत पाई थी। सपकाल के अलावा, पृथ्वीराज चव्हाण और पूर्व राज्य मंत्री सतेज पाटिल के नाम महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चर्चा में थे, हालांकि, दोनों ने कार्यभार संभालने में असमर्थता जताई थी। दूसरी ओर, कांग्रेस आलाकमान ने पार्टी के दिग्गज नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार को कांग्रेस विधायक दल का नेता नियुक्त किया है। वडेट्टीवार ने शिवसेना के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार में मंत्री रहते हुए दो बार राज्य में विपक्ष के नेता का पद संभाला था।

भीड़ और थकान से परेशान श्रद्धालुओं की सेवा में पुलिस भी जुटी

» महाकुंभ के जाम का असर सुलतानपुर जिले तक पहुंचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। महाकुंभ मेला के दौरान भीड़ और सड़कों पर लगने वाले लगातार जाम से प्रदेशों से आये श्रद्धालु थक कर परेशान हो गए हैं। हर जगह रेंगती हुई गाड़ियों की कतारें और डाइवर्जन के कारण हालत बदतर हो चुकी है। इस मुश्किल घड़ी में श्रद्धालुओं की मदद के लिए विधायक और स्थानीय लोग तो सक्रिय हो ही रहे हैं, वहीं पुलिस भी अपनी भूमिका निभाते हुए सेवाओं में पीछे नहीं है।

सुलतानपुर जिले के दोस्तपुर थाना प्रभारी पंडित त्रिपाठी ने अपने सहयोगी उपनिरीक्षकों और अन्य पुलिस बल के साथ श्रद्धालुओं के बीच जाकर उनका कुशलक्षेम पूछा और उनकी मदद के लिए खाद्य सामग्री, पानी और अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित की। इस कदम से श्रद्धालुओं को राहत मिली और उन्हें महसूस हुआ कि प्रशासन उनके साथ है। थाना प्रभारी पंडित त्रिपाठी ने कहा, हमारी पूरी कोशिश है कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें हर तरह की मदद मुहैया कराई जाए।

उद्योगपतियों के हिसाब से बना बजट: बघेल

» पूर्व सीएम बोले- असलीयत लोग जान चुके हैं और सबको केंद्रीय बजट से हो रही निराशा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। केंद्रीय बजट के संबंध में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि केंद्रीय बजट आया है मीडिया में खूब छाया हुआ है। जैसे-जैसे समय बीतते जा रहा है और बजट का असलीयत लोग जान चुके है और सबको निराशा हो रही है। देश का अर्थव्यवस्था अब निर्मला सीतारमण के हाथ में नहीं रहा। अब जो कुछ भी है अंर्तराष्ट्रीय जो घटनाक्रम है उससे देश के अर्थव्यवस्था संचालित होगी। कल ही अमेरिकी सरकार ने स्टील की 25 प्रतिशत टैक्स लगाया है।

सेंसेक्स भी एक दम ही नीचे गिरा गया है और लोगो के 10 लाख करोड़ डूब गया, तो ऐसी कितनी घटनाये हुयी है इस दौरान जो शेयर मार्केट लगातार गोते लगाये जा रहा है। उद्योगपति केन्द्रीय बजट आने लगा है, जनता के हिसाब से नहीं आने लगा। इस बजट में मजदूरों के लिये कुछ भी नहीं है। मनरेगा के दर तक नहीं बढ़ाया है प्रति माह महंगाई बढ़ गया लेकिन मनरेगा का दर बढ़ा नही और छत्तीसगढ़ में यह स्थिति है जो 13 लाख जो मनरेगा मजदूर थे उनका नाम काट दिया गया। किसानों के लिये भी बजट में कुछ नहीं, जो किसान लगातार एमएसपी की मांग कर रहे थे, वो भी नहीं मिला। नौजवानों के लिये कुछ भी नहीं है रोजगार कैसे मिले।

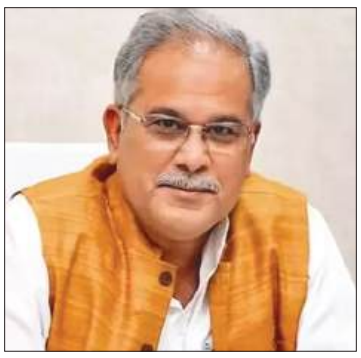

नगरीय निकाय के चुनाव में हुई गड़बड़ी

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि नगरीय निकाय के चुनाव संपन्न हुए और शांतिपूर्ण तरीके से हुए पर मतदाताओं को तकलीफ हुई। उन्होंने कहा कि वोटर कहीं का और मतदान कहीं पर और नाम इस प्रकार से काटा गया कि पत्नी का अलग बूथ में और पति का अलग बूथ में। कई तो ऐसे है घर कहीं पे है और पांच बूथ क्रास करके छठवे बूथ में मतदान करना पड़ा। परिसीमन गलत हुआ है इस मामले में हम लोगों ने शिकायत भी किया गया था। इसके कारण मतदान प्रतिशत में कमी आई है वह देखने को मिला। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में 90 से 100 जगह ईवीएम बंद पाया गया। ईवीएम बंद हुए तो कुछ जल्दी बन गये और कुछ ईवीएम को घंटो लग गये बनने के लिये।

आरसीबी पर होगा रजत का राज

» पाटीदार बने नये कप्तान

» सैयद मुश्ताक अली और विजय हजारे ट्रॉफी में मप्र की कर चुके हैं कप्तानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। आरसीबी ने आगामी आईपीएल सीजन के लिए नए कप्तान की घोषणा कर दी है। आरसीबी ने बताया कि रजत पाटीदार टीम के नए कप्तान होंगे और टीम उनके नेतृत्व में अपने पहले खिताब की तलाश में उतरेगी। कप्तान की दौड़ में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भी शामिल थे, लेकिन टीम प्रबंधन ने पाटीदार के नाम का एलान किया। पाटीदार के पास सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में मध्य प्रदेश की कप्तानी करने का अनुभव है।

31 वर्षीय पाटीदार ने मध्य प्रदेश को अपनी कप्तानी में सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया था। पाटीदार 2021 से आरसीबी से जुड़े हुए हैं और आरसीबी के आठवें कप्तान हैं। पाटीदार ने 2024 सीजन में आरसीबी के लिए 15 मैच खेले और 395 रन बनाए जिसमें पांच अर्धशतक शामिल हैं। आरसीबी उन टीमों में शामिल है जिसने अब तक कभी आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। टीम तीन बार फाइनल में पहुंची है और आखिरी बार उसने खिताबी मुकाबला 2016 में खेला था। आरसीबी पिछले पांच सत्र में से चार बार प्लेऑफ में पहुंचने में सफल रही है। टीम पिछले सीजन खराब शुरुआत के बाद वापसी करने में सफल रही थी। आरसीबी ने 2025 सत्र के लिए पाटीदार, कोहली और यश दयाल को रिटेन किया था। टीम की कमान 2022 से फॉफ डुप्लेसिस संभाल रहे थे, लेकिन फ्रेंचाइजी ने इस सीजन से पहले उनसे राहें जुदा कर ली थी। आरसीबी ने मेगा नीलामी से पहले डुप्लेसिस को रिलीज कर दिया था।

अब मुंबई टीम से रणजी मैच खेलेंगे यशस्वी

नई दिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को विदर्भ के खिलाफ आगामी रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए मुंबई टीम में शामिल किया गया है। मुंबई ने कोलकाता में खेले गए क्वार्टर फाइनल में हरियाणा को 152 रन से हराया था। सेमीफाइनल 17 फरवरी से खेला जाएगा। जायसवाल और शिवम दुबे को चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में रिजर्व के तौर पर शामिल किया गया है जो यात्रा नहीं करेंगे। जायसवाल को प्रारंभिक टीम में जगह मिली थी लेकिन अंतिम सूची में वह जगह नहीं पा सके। उन्होंने इस सत्र में एकमात्र रणजी मैच जम्मू कश्मीर के खिलाफ खेला था जिसमें वह चार और 26 रन ही बना सके और मुंबई को अप्रत्याशित पराजय झेलनी पड़ी।

एक बार फिर विपक्ष के निशाने पर आई मोदी सरकार

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन और अमेरिका में पीएम के साक्षात्कार पर उठे सवाल, राहुल गांधी बोले- भाजपा ने माना कि वह शासन में अक्षम है

» भाजपा ने राष्ट्रपति शासन के फैसले का बचाव किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने के एनडीए सरकार के फैसले के बाद पीएम मोदी व बीजेपी पर विपक्ष हमलावर हो गया है। वहीं कांग्रेस ने अमेरिका में पीएम मोदी के साक्षात्कार में कुद सवालों पर चुप्पी साधने को लेकर भी उनको घेरा है। वहीं भाजपा ने राष्ट्रपति शासन के फैसले का बचाव किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से शासन करने में उसकी अक्षमता की देर से की गई स्वीकारोक्ति है।

उन्होंने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर के प्रति अपनी जिम्मेदारी से इनकार नहीं कर सकते। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करना भाजपा द्वारा मणिपुर में शासन करने में उसकी पूर्ण अक्षमता की देर से स्वीकारोक्ति है। अब प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर के लिए अपनी सीधी जिम्मेदारी से इनकार नहीं कर सकते। बता दें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक में कारोबारी गौतम अडानी के खिलाफ मामले पर चर्चा हुई के सवाल पूछे जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत एक लोकतांत्रिक देश है और हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की है, हम पूरी दुनिया को एक परिवार मानते हैं, हर भारतीय को मैं अपना मानता हूं ऐसे व्यक्तिगत मामलों के लिए दो देशों के मुखिया न मिलते है न बैठते हैं न बात करते हैं।

विस का कार्यकाल खत्म होने वाला है तो राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया : जॉय प्रकाश

टीएमसी प्रवक्ता जॉय प्रकाश मजूमदार ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बीरेन सिंह और गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर में जारी जातीय संघर्ष और अस्थिरता के लिए जिम्मेदार हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने लंबे समय तक मणिपुर की स्थिति को नजरअंदाज किया और अब जब विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने वाला है तो राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया। उन्होंने कहा राज्य ने भाजपा को सुशासन की उम्मीद में चुना था, लेकिन पार्टी ने अलग-अलग जातीय समुदायों के साथ विश्वासघात किया है।

जब राज्य में हिंसा हो रही थी तब क्यों नहीं उठाए कड़े कदम : अधीर रंजन

कांग्रेस के सीनियर नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी केंद्र सरकार पर मणिपुर की स्थिति को बिगाड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब राज्य में हिंसा हो रही थी महिलाओं के साथ अपराध हो रहे थे और घर जलाए जा रहे थे तब केंद्र सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। अब जब स्थिति पूरी तरह बेकाबू हो गई और सत्ता संभालने के लिए कोई ऑप्शन नहीं बचा तब भाजपा ने राष्ट्रपति शासन लागू किया है।

केंद्र सरकार ने सही समय पर सही कदम उठाया : समिक भट्टाचार्य

भाजपा की ओर से इस फैसले का बचाव किया गया है। पार्टी प्रवक्ता और सांसद समिक भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्र सरकार ने सही समय पर सही कदम उठाया है। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रपति शासन से मणिपुर में स्थिरता आएगी और बाकी भाजपा शासित राज्यों की तरह यहां भी विकास को गति मिलेगी।

देश में पूछो तो चुप्पी, विदेश में पूछो तो निजी मामला : राहुल गांधी

मोदी ने अमेरिका दौरे पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान एक पत्रकार ने गौतम अडानी के मामले को लेकर सवाल पूछा था। सवाल का जवाब देते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि दो देशों के नेता निजी मामलों पर कोई बात नहीं करते हैं। उनके इस बयान पर अब कांग्रेस नेता ने राहुल गांधी ने निशाना साधा है, उन्होंने कहा कि अमेरिका में भी मोदी जी ने अडानी जी के भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया।जब मित्र का जेब भरना मोदी जी के लिए राष्ट्र निर्माण है, तब रिश्वतखोरी और देश की संपत्ति को लूटना व्यक्तिगत मामला बन जाता है।

हाथ लगा सबूत, अब मुंह की खानी होगी नीतीश सरकार को

» रद होगी बीपीएससी परीक्षा खान सर का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में राजनीति हवा बदलने लगी है। नीतिश सरकार को एक के बाद एक बडें डेंट लग रहे हैं। ऐसे में यदि बीपीएससी परीक्षा रद्द होने का आदेश कोर्ट की तरफ से आ गया तो समझो सरकार की उल्टी गिनती शुरू। कोचिंग संचालक खान सर के एक बयान से एक बार फिर बीपीएससी आंदोलन को आक्सीजन मिलती दिखाई दे रही है। खान सर ने बयान दिया है कि अब ऐसे सबूत हाथ लग चुके हैं जिनके आधार पर हाईकोर्ट को बीपीएससी परीक्षा को रद्द कराने के आदेश देने ही पड़ेंगे।

बिहार की पूरी राजनीति में इस समय बीपीएसस परीक्षा एक अहम मुददा बन चुका है। पीके हो या फिर बिहार के दूसरे अन्य राजनीतिक दल सभी लोग इस मुददे के पक्ष और विपक्ष में रहकर अपनी–अपनी राजनीति कर रहे हैं। लाखों छात्र इस परीक्षा की जद में है और इसे रदद कराने के लिए लंबी लड़ाई लड़ रहे हैं। राजद ने इसे कैंसिल कराने के लिए हर तरह से छात्रों का साथ दिया है। खान सर ने कहा है कि बीपीएससी परीक्षा में धांधली का आरोप हम शुरू से लगा रहे थे। फिर से परीक्षा कराने को लेकर हम हाईकोर्ट भी गये हैं। लेकिन हमसे सबूत खोजा जा रहा था। एक महीने की कोशिश के बाद हमने सबूत ढूंढ़ लिया है।

खान सर ने लगाये सनसनीखेज आरोप

खान सर ने कहा कि 13 दिसंबर को बीपीएससी की परीक्षा हुई थी। उस परीक्षा के लिए बीपीएससी ने तीन सेट में प्रश्न पत्र तैयार किय गया था। ऐसा इसलिए किया जाता है कि अगर कोई सेट का पेपर लीक हो जाये तो दूसरे सेट के प्रश्न से परीक्षा ली जाये। 13 दिसंबर को जो परीक्षा हुई उसमें इन तीन में से एक सेट के प्रश्न पत्र का उपयोग किया गया था। तीन सेट में जिन दो सेट के प्रश्न पत्र को यूज नहीं किया जाता है, उन्हें हर जिले के ट्रेजरी में जमा करा दिया जाता है। खान सर ने बताया कि पता चला है कि नवादा और गया जिले के ट्रेजरी में बीपीएससी ने प्रश्न पत्र जमा ही नहीं कराया। वहां से प्रश्न पत्र गायब थे। उन्होंने ट्रेजरी से गायब प्रश्न पत्र की जानकारी ली तो बीपीएससी की कलई खुल गयी। दरअसल बीपीएससी ने 13 दिसंबर को हुई परीक्षा में बापू परीक्षा केंद्र की परीक्षा को रद्द कर दी थी। 4 जनवरी को उस सेंटर के परीक्षार्थियों की फिर से परीक्षा ली गयी। इसी परीक्षा में खेला कर दिया गया।

बीपीएससी की बड़ी हेराफेरी

खान सर ने दावा किया कि नवादा और गया ट्रेजरी में जो प्रश्न पत्र जमा नहीं कराया गया था, उसी प्रश्न पत्र का उपयोग 4 जनवरी की परीक्षा में कर लिया गया। जिस पेपर को कबाड़ में बेचना था, उसी पेपर को 4 जनवरी को परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को दे दिया गया। बीपीएससी ने बड़ी हेराफेरी कर दी।

इससे साफ है कि गड़बड़ी कैसे हुई। 4 जनवरी की परीक्षा में किसी सुरक्षा मानक का पालन नहीं किया गया।कबाड़ में फेंकने वाले प्रश्न पत्र से परीक्षा ली गयी। तभी सक्सेस रेट में इतना अंतर आया। बीपीएससी ने लाखों अभ्यर्थियों का भविष्य बर्बाद कर दिया। खान सर ने कहा कि उन्होंने इस सबूत को लेकर अपने वकीलों और कानूनी जानकारों से बात की है। पहले सब कह रहे थे कि सबूत नहीं है इसलिए परीक्षा रद्द करा पाना मुश्किल है। लेकिन अब सबूत हाथ लग गये हैं। अब सारे कानूनी जानकार कह रहे हैं कि हाईकोर्ट से परीक्षा रद्द होना तय है। खान सर इस सबूत को हाईकोर्ट को सौंपने जा रहे हैं।

लाखों का भविष्य होगा बर्बाद

किसान नेता डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

खनौरी बॉर्डर। किसान आंदोलन के प्रमुख नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें एंबुलेंस से चंडीगढ़ ले जाया गया। उनके साथ डॉक्टरों की एक टीम भी मौजूद है, जो लगातार उनकी सेहत पर नजर रख रही है।

जानकारी के अनुसार, डल्लेवाल पिछले कई दिनों से आंदोलन के दौरान किसानों के साथ डटे हुए थे। लगातार संघर्ष और बदलते मौसम के कारण उनकी तबीयत खराब हो गई। उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने तुरंत उन्हें चंडीगढ़ रेफर करने का निर्णय लिया। जगजीत सिंह डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ने की खबर से किसानों में चिंता का माहौल है। आंदोलनकारी किसान उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

गले में भगवा गमछा और हाथ में लाठी

पार्कों में जाकर हिंदू संगठन की अराजकता, केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजियाबाद। इंदिरापुरम थानाक्षेत्र के नीतिखंड स्थित स्वर्ण जयंती पार्क में बैठने वाले युवक-युवतियों को धमकाने वाले हिंदू संगठन के लोगों पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। कार्रवाई सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हुईं वीडियो के बाद की गई।

दरअसल मामला दो दिन पहले का है। वैलेंटाइन सप्ताह में होने वाले हग डे के दिन इंदिरापुरम के कनावनी निवासी विपिन गुर्जर खुद को हिंदू संगठन का पदाधिकारी बताते हुए अपने साथियों के साथ स्वर्ण जयंती पार्क में पहुंचा। सभी के हाथों में लाठी-डंडे और गले में भगवा व लाल गमछे पड़े थे। सभी ने डंडा दिखाते हुए पार्क में बैठे युवक-युवतियों से पूछताछ शुरू कर दी। धमकाते हुए उनका आधार कार्ड व पहचान पत्र मांगने लगे। यहां तक कि युवक-युवतियों को यह भी बोल दिया गया कि यहां से निकल जाओ, समझ नहीं आया तो डंडे से समझाएं।गुंडई ऐसी कि पार्क में बैठे विवाहितों तक को आरोपियों ने धमकाकर भगा दिया। हद तो तब हो गई जब संगठन के लोगों ने पूरे वेलेंटाइन वीक को जिहाद से जोड़कर अलग रुख दे दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए तुरंत मुकदमा दर्ज करने के आदेश दे दिए गए थे। चौकी प्रभारी बृजपाल सिंह की तहरीर पर विपिन गुर्जर समेत चार-पांच अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

तमिलनाडु प्रदूषण बोर्ड को सुप्रीम फटकार

ईशा फाउंडेशन के खिलाफ देर से याचिका दाखिल करने पर पूछा सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीएनपीसीबी) को कड़ी फटकार लगाई है, क्योंकि उसने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दो साल बाद याचिका दायर की है, जिसमें 2006 से 2014 के बीच कई इमारतों का निर्माण करने के लिए ईशा फाउंडेशन के खिलाफ कारण बताओ नोटिस को रद्द करने का आदेश दिया गया था। ये मामला कोयंबटूर जिले में बने योग केंद्र से जुड़ा है, जिसे सदगुरु जग्गी वासुदेव की ईशा फाउंडेशन ने बनाया है।

मामले में मद्रास हाईकोर्ट ने ईशा फाउंडेशन के खिलाफ जारी नोटिस को रद्द कर दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने टीएनपीसीबी की याचिका को नौकरशाहों का मैत्रीपूर्ण खेल करार दिया और कहा कि यह सिर्फ अदालत की औपचारिक मंजूरी लेने जैसा है।

तमिलनाडु सरकार को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने महाधिवक्ता पीएस रमन से कहा कि अब जब ईशा फाउंडेशन ने कोयंबटूर जिले के वेल्लियांगिरी में एक योग और ध्यान केंद्र का निर्माण किया है, तो राज्य को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पर्यावरण अनुपालन हो। वहीं इस मामले में ईशा फाउंडेशन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने शीर्ष अदालत से शिवरात्रि के बाद मामले की सुनवाई करने का आग्रह किया, उन्होंने कहा कि एक बड़ा समारोह आयोजित किया जाना है। कारण बताओ नोटिस में तर्क दिया गया था कि फाउंडेशन ने पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त किए बिना वेल्लियांगिरी की तलहटी में इमारतों का निर्माण किया था। केंद्र सरकार ने पहले उच्च न्यायालय को सूचित किया था कि फाउंडेशन एक स्कूल चलाने के अलावा योग की शिक्षा भी दे रहा है। इसलिए, यह शिक्षा के दायरे में आएगा।

मामले में महाशिवरात्रि के बाद होगी सुनवाई

पीठ ने मामले की सुनवाई शिवरात्रि के बाद तय की। 14 दिसंबर, 2022 को, यह मानते हुए कि कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन की तरफ से स्थापित सुविधाएं शिक्षा श्रेणी में आएंगी, उच्च न्यायालय ने टीएनपीसीबी के नोटिस को खारिज कर दिया, जिसमें पूछा गया था कि 2006 और 2014 के बीच कई भवनों के निर्माण के लिए अभियोजन क्यों नहीं चलाया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय ने 19 नवंबर, 2021 के नोटिस को रद्द कर दिया, जबकि फाउंडेशन की ओर से इसके संस्थापक जग्गी वासुदेव की तरफ से प्रतिनिधित्व की गई याचिका को स्वीकार कर लिया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।